ऊँची उड़ान
पाठ्यक्रम और अगुवे की मार्गदर्शिका

बोर्न टू फ्लाई पाठ्यक्रम के लिए
अतिरिक्त मसीही शिक्षण सामग्री

बोर्न टू फ्लाई प्रोजेक्ट
बच्चों की मानव तस्करी रोकने हेतु

द्वारा : डायना स्कीमोने

ऊँची उड़ान
© 2012 बोर्न टू फ्लाई इन्टरनेशनल, इन्क.
द्वारा : डायना स्कीमोने

प्रकाशक द्वारा बोर्न टू फ्लाई इन्टरनेशनल, इन्क.
पोस्ट बॉक्स 952949
लेक मेरी, फ्लोरिडा 32795–2949
यू.एस.ए.
info@born2fly.org
www.born2fly.org

ISBN 978-0-9729507-8-7

अनुवादकः
रेव्ह. डॉ. एम. जे. जेम्स
फरीदाबाद, इन्डिया
joeljames@rediffmail.com

धर्मशास्त्रों ने चिन्हित किया "एन.ए.एस." जो नई अमरीकन स्टेन्र्डड बाइबल से लिया गया ® कॉपीराइट © 1960, 1962, 1963, 1968, 1971, 1972, 1973, 1975, 1977, 1995 लोकमैन फाउंडेशन द्वारा अनुमति पाकर उपयोग किया। (www.lockman.org)

धर्मशास्त्रों ने चिन्हित किया एन.आई.वी. पवित्र बाइबल न्यू इन्टरनेशनल वर्जन ® से लिया गया एन. आई.वी. ® कॉपीराइट © 1973, 1978, 1984 इन्टरनेशनल बाइबल सोसाइटी द्वारा। सभी अधिकार सुरक्षित।

धर्मशास्त्रों ने चिन्हित किया एन.के.जे. न्यू किंग जेम्स वर्ज़न से लिया गया। कॉपीराइट © 1982 थोमस नेलसन द्वारा, आई.एन.सी., अनुमति द्वारा इस्तेमाल किया गया। सभी अधिकार सुरक्षित।

यह पाठ्यक्रम मेरे लेखकों के ग्रुप को समर्पित किया गया है (वेलेरी कोशी, करेन आर्मिस्टेड और दबोरा कोल) शिक्षकों को. . . करेन आर्मस्टेड, और जार्जिया एना लारसन, आर्टिस्ट लेह वीडेमरे, डिजायनर कैथलीन क्वास और बहुत से बोर्न टू फ्लाई के सहायक, विशेष धन्यवाद माइक बीकल, जेनेट बेन्टन, शारोन गोन्ज़ालिस और एशले बेलेरोज़/मेरे स्वप्न में सहायता करने हेत् आपको धन्यवाद, जैसे ब्लोसम का सत्य होता है।

– डायना स्कीमोन, डायरेक्टर, दि बोर्न टू फ्लाई प्रोजेक्ट बच्चों की मानव तस्करी रोकने हेत्

विषय सूचि

बड़े स्वप्नों के स्वप्न देखना....4
परिचय....5
अगुवे की मार्गदर्शिका का अवलोकन....6
जानकारी और भय के बीच उत्तम रेखा पर अतिरिक्त सूचना....8
सत्र 1 : यीशु के साथ मित्रता का चुनाव....9
सत्र 2 : यीशु सबसे सच्चा मित्र है....12
सत्र 3 : यीशु कहता है आप लाजवाब, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हैं....15
सत्र 4 : जब आप कठिन समय से गुज़रें यीशु हमेशा आपके पास रहेंगे....18
सत्र 5 : यीशु आपको अपने “गुप्त स्थान” पर आमंत्रित करता है जहाँ वह आपको बचाता है....20
सत्र 6 : जब आप अपने स्वप्नों के पीछे चलते हो तब यीशु आपको सुरक्षित और सफलता पाने में सहायता करते हैं....23
अतिरिक्त साधन....26

बड़े स्वप्नों के स्वप्न देखना
बोर्न टू फ्लाई के संस्थापक से विशेष नोट; डायना स्कीमोन

बहुत वर्षों पहले जब हम अपनी नई संस्था, बच्चों के "मानव तस्करी को रोकने" के लिये कोई नाम चुन रहे थे, हमारे बोर्ड सदस्यों में से एक ने कहा, "कोई वो नाम ना चुनो जो ये प्रगट करता है कि आप क्या रोकना चाह रहे हो। नाम को ये दिखाना चाहिये कि आप उसके बाद क्या करना चाहते हो। "इसीलिये हमने नाम "बोर्न टू फ्लाई" चुना। आज हमारा लक्ष्य वही हैः ना केवल बच्चों को मानव तस्करी से रोकना पर ऐसा करने में हम उनको देना चाहते हैं कि वे बड़े स्वप्न देखें – जिसे परमेश्वर ने ये होने के लिये सृजा। वास्तव में हमारा मिशन – वर्णन ये है "बच्चों की मानव तस्करी रोकना स्थापना करना . . . बच्चे ऊँची उड़ान के लिये स्वतंत्र"।

इसीलिये यह पाठ्यक्रम उस पर दबाव डालते हैं, बच्चों को ये दिखाना कि किस प्रकार परमेश्वर के साथ विशेष सम्बन्ध होना है जिससे वे "बड़े स्वप्न" सुरक्षित और सफलतापूर्वक तरीके से देख सकें। परमेश्वर इन स्वप्नों को हम में से हर एक के अन्दर डालते हैं। वे हमारी बुलाहट और अभिप्राय हैं और वे संसार के लिये उसकी योजना के हिस्से हैं।

उसी समय के आस–पास हम बोर्न टू फ्लाई इन्टरनेशनल आरम्भ कर रहे थे, मेरी बाइबल अध्ययन कक्षा ने निर्णय किया कि श्रेष्ठगीत का अध्ययन करें (ये सुलैमान के गीत के नाम से भी जाने जाते हैं)। ये बाइबल की सबसे छोटी पुस्तकों में से एक है, पर हमने इसके अध्ययन में दो वर्ष लगाये। हम एक पद पर एक महीना लगायेंगे। दो वर्षों के अन्त में हम सबने महसूस किया कि हम शायद ही इस पुस्तक तक गहराई को पहुंच पाये हैं।

उन दो वर्षों ने मेरे जीवन को बदल दिया और श्रेष्ठगीत बाइबल में मेरी सबसे प्रिय पुस्तक बन गई, मेरी सबसे प्रिय पद ये है, "मुझे खींच ले, हम तेरे पीछे दौड़ेंगे" (श्रेष्ठगीत 1:4)। ये बच्चों की सहायता के लिये मुख्य पद है, यीशु के साथ विशेष मित्रता रखो और स्वप्न देखो "परमेश्वर स्वप्न देखता है" – उसके साथ उनके बगल में।

जैसा आपने इस पाठ्यक्रम में समय बिताया, परमेश्वर आपको अवसर देगा कि अपनी कक्षा के हर एक बच्चे के स्वप्नों को बुला सकोगे और उनकी पुष्टि भी कर सकोगे। वे स्वप्न जो उसने स्वयं वहाँ पर रखे।

हम आपके सुझावों और वर्णनों का स्वागत करते हैं, केवल इस पर लिखे info@born2fly.org या लिखें–बोर्न टू फ्लाई, पी.ओ. बॉक्स 952949 लेक मेरी, एफ.एल. 32795, यू.एस.ए. हमारे बच्चों की मानव–तस्करी को रोकने के स्वप्न का हिस्सा होने के लिये आपका धन्यवाद। हम आपके अत्यन्त आभारी हैं।

डायना स्कीमोन

डायरेक्टर, बोर्न टू फ्लाई प्रोजेक्ट बच्चों की तस्करी रोकने हेतु

"स्वप्नों के स्वप्न देखना जो संसार के इतिहास के मार्ग को पलट देता है"

– बिल जॉनसन

परिचय

ऊँची उड़ान मसीही पाठ्यक्रम इस प्रकार बनाया गया है जो *बोर्न टू फ्लाई* पाठ्यक्रम की नियमित के पूरक हैं। इसे इसको हटाने के लिये नहीं बनाया गया है ना ही ये अकेला खड़ा होने वाला पाठ्यक्रम है। ये अतिरिक्त सामग्री आपको उपलब्ध कराता है कि आप *बोर्न टू फ्लाई* शब्द–रहित पुस्तक में बाइबल विचारधारा सिखाने में इस्तेमाल कर सकते हैं।

ये अतिरिक्त सामग्री के लगातार पाठ्यक्रम के समान दो भाग हैं – एक छोटे बच्चों के लिये और दूसरा नए शिक्षकों के लिये हैं।

ये उस पर निर्भर करता है कि हर सत्र में आपके पास कितना समय है, आप इस अतिरिक्त सामग्री को उसी समय में सिखा सकते हैं जैसे लगातार पाठ्यक्रम में या इसे अलग फोलोअप सत्र के रूप में सिखा सकते हो। दोनों में से किसी भी तरह, हम तो ये सिफारिश करते हैं कि आप इस अतिरिक्त सामग्री को सत्र के ठीक बाद में सिखायें जिससे ये उसके साथ ससंबद्ध हो जाये।

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य ये है कि बच्चों की सहायता यीशु के साथ उच्च सम्बन्ध होने के लिये चुन सकें और ये जानें कि वह उनसे कितना प्रेम करता है; यह उन्हें सुरक्षित और सफल होने में सहायक होगा जब वे अपने स्वप्नों के पीछे चलते हैं।

बच्चे सामान्य "अच्छा" जीवन जी सकते हैं, पर यदि वे इस वास्तविकता को नहीं समझते कि परमेश्वर उन्हें कैसे देखता है और यदि वे उसके प्रेम की गहराई को उनके लिये जो है नहीं जानते हैं तो वे पूरे सम्बन्ध को कभी नहीं जान पायेंगे जो वह उनके साथ इच्छा करता है। इसीलिये ये उनके लिये गम्भीर है कि वे अपनी पहचान मसीह में पा सकें।

मसीही होकर हम अक्सर परमेश्वर से प्रेम इसलिये करते हैं कि हमें करना है। ये कैसा होगा यदि हम बच्चों को छोटी उम्र में सिखा सकें कि इससे और भी अधिक है? ये कैसा होगा कि यदि वे जान सकें कि उसका उनके लिये विशाल प्रेम है और किस प्रकार वह सच्चाई से उनके लिये सफलता की इच्छा करता है और स्वप्नों को पूरा करता और अभिप्रायों को जो वह उनमें रखता है?

यही *ऊँची उड़ान* का लक्ष्य है। बहुत से बच्चे बाइबल पदों को याद करने में बहुत अच्छे हैं और धार्मिक सिद्धान्तों को सीखने में, जैसे "परमेश्वर मुझ से प्रेम करता है"। पर अक्सर उन्होंने इस कला को अपने जीवन में लागू करना नहीं सीखा है। उनके आत्मिक पालन–पोषण पर निर्भर करता है वे ये भी ना जानते हों कि उन्हें ये करना है। इसीलिये हमारे पास लक्ष्य के 2 भाग इस अतिरिक्त सामग्री के साथ हैं:–

1. बच्चों और तरूणों को बाइबल आधारित सिद्धान्त दें, जिसे हम *बोर्न टू फ्लाई* की कहानी की रेखा में सिखाते हैं।
2. उन्हें दिखायें कि इन सिद्धान्तों को प्रतिदिन के जीवन में किस प्रकार लागू करें – विशेषरूप से कि किस प्रकार मानव–तस्करी से बचें या उनके स्वप्नों को सुरक्षित रूप से कैसे आगे बढ़ायें।

यही भिन्नता ज्ञान के वृक्ष और जीवन के वृक्ष के बीच है। हमारा लक्ष्य बच्चों को जीवन के वृक्ष से फल खाने को देना है। इसे ऐसा करने के लिये हमें आपके साथ मिलकर करने का सौभाग्य प्राप्त है।

अगुवे की मार्गदर्शिका का अवलोकन

सत्र 1 : यीशु के साथ मित्रता को चुनना

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये समझने में सहायता करना कि यीशु उन्हें उच्च सम्बन्ध बनाने के लिये उन्हें आमंत्रित कर रहे हैं – एक विशेष मित्रता।
- बच्चों को ये दिखाना कि वे उसके निमंत्रण पर "हाँ" कहना चुन सकते हैं।
- उन्हें उसके निमंत्रण के लिये "हाँ" कहने में अगुवाई करना।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "हे मेरी प्रिय, हे मेरी सुन्दरी, उठकर चली आ" (श्रेष्ठगीत 2:10)

नए शिक्षकों के लिये : "मेरी सुन्दरी उठ, मेरे पास चली आ"।

शब्दरहित पुस्तक पृष्ठ कवर – 25

सत्र 2 : यीशु सबसे सच्चा मित्र है

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये समझने में सहायता करना कि परमेश्वर का मित्र होने का क्या मतलब है?
- उन्हें दिखाना कि परमेश्वर के मित्र किस प्रकार होना है।
- उन्हें ये सिखाना कि यीशु सबसे सच्चा मित्र है।
- उन्हें ये दिखाना कि यीशु के साथ मित्रता उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और जब वे अपने स्वप्नों की ओर बढ़ते उन्हें स्वतंत्र रखती है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "यही मेरा प्रेमी और यही मेरा मित्र है" (श्रेष्ठगीत 5:16)।

नए शिक्षकों के लिये : "ये मेरा प्रियतम है; ये मेरा मित्र है"।

शब्दरहित पुस्तक पृष्ठ 26–34

सत्र 3 : यीशु कहता है आप लाजवाब, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हो

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये सिखाना कि यीशु कहता है कि वे लाजवाब हैं, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हैं।
- उन्हें ये दिखाना कि यदि वे यीशु से प्रेम करते हैं भले ही जब वे गलती करते हैं तो उसका प्रेम उनके लिये नहीं बदलता।
- उन्हें दिखाना कि परमेश्वर के साथ मित्रता उस पर निर्भर नहीं करती उन्होंने क्या किया है या नहीं किया है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "मैं काली तो हूँ पर सुन्दर हूँ" (श्रेष्ठगीत 1:5)।

नए शिक्षकों के लिये : "मैं काली तो हूँ, पर सुन्दर हूँ"

शब्दरहित पुस्तक पृष्ठ 27–53

सत्र 4 : जब आप कठिन समय से गुज़रते हो, तो यीशु हमेशा वहाँ आपके साथ रहेगा।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये समझने में सहायता करना कि जब वे कठिन समय से गुजरते हैं, यीशु हमेशा उनके साथ रहेगा।
- उन्हें दिखाना कि वे उससे सहायता मांग सकते हैं।
- उन्हें ये सिखाना कि उनकी आशा के विपरीत वह उत्तर दे सकता है।

मुख्य धर्मशास्त्र का हिस्सा : "यह कौन है जो अपने प्रेमी पर टेक लगाये हुए जंगल से चली आती है" (श्रेष्ठगीत 8:5)।
नए शिक्षकों के लिये : "वो कौन है जो जंगल से आती है और अपने प्रेमी पर टेक लगाती है?"
शब्दरहित पुस्तक पृष्ठ 54–68

सत्र 5 : यीशु अपने "गुप्त स्थान" पर आपको आमंत्रित करता है जहाँ वह आपकी सुरक्षा करता है।
सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये सिखाना है कि यीशु उन्हें उनके गुप्त स्थान में आमंत्रित करता है जहाँ वह उन्हें सुरक्षा प्रदान करता और प्रेम करता है।
- उन्हें वे गुप्त स्थान दिखाना जिसका वर्णन पूरी बाइबल में है, ये हमारा सौभाग्य है कि हम वहाँ रहते हैं।
- उन्हें याद दिलाने के लिये कि गुप्त स्थान हमेशा आसान नहीं है, पर ये वो है जहाँ वह अपने महत्वपूर्ण पाठ हमें बताता है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "पहाड़ों की दरारों में और टीलों के कुंज में तेरा मुख मुझे देखने दे, तेरा बोल मुझे सुनने दे, क्योंकि तेरा बोल मीठा और तेरा मुख अति सुन्दर है" (श्रेष्ठगीत 2:14)।
नए शिक्षकों के लिये : "पहाड़ों की गुप्त जगहों में"।
शब्दरहित पुस्तक पृष्ठ 69–78

सत्र 6 : जब आप अपने स्वप्नों के पीछे चलते तब यीशु आपको सुरक्षित रखने में और सफलतापूर्वक होने में सहायता करता है।
सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को समझने में सहायता करना कि परमेश्वर ने उनके अन्दर एक बड़ा स्वप्न रखा है।
- उन्हें ये दिखाना कि जैसे वे उसके साथ गुप्त स्थान में समय बिताते हैं, वह उन्हें बुद्धि देगा और उनके स्वप्नों को बढ़ने के लिये दिशा दिखाना।
- ये सिखाना कि यीशु उनके साथ सहयोगी बनना चाहता और उनके स्वप्नों को आगे बढ़ाने में सहायता करता है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "मुझे खींच ले कि हम साथ–साथ दौड़ें" (श्रेष्ठगीत 1:4)।
नए शिक्षकों के लिये : "मुझे अपने पास खींच ले और आओ हम साथ–साथ दौड़ें"!

शिक्षकों के लिये नोट : पाठ्यक्रम में हमारे पास आपके लिये विशेष स्थान नहीं है कि बच्चों की अगुवाई उद्धार की प्रार्थना में कर सकें क्योंकि हम आपके ऊपर छोड़ते हैं कि सही समय निकाल लें जब आपके बच्चे तैयार हैं।

जानकारी और भय के बीच उत्तम रेखा पर अतिरिक्त सूचना

नियमित बोर्न टू फ्लाई पाठ्यक्रम के पास आपको विशेष सुझाव देने को हैं कि वे आपके अपने बच्चों में जानकारी लाने में बिना भय लाने में सहायता करें। यहाँ पर बहुत से विचार मसीही भावना से हैं:

यहाँ बच्चे अपने डर लिखते हैं और फिर बच्चों के साथ बाइबल के पदों को देखते हैं जो उन झूठ का सामना करते हैं। उन्हें देखने में सहायता करें कि भय, जबकि वास्तविक है, ये परमेश्वर के वचन जो कहता उसके विपरीत है। उदाहरण के लिये : "परमेश्वर ने हमें भय की आत्मा नहीं दी पर सामर्थ, प्रेम और सद्बुद्धि की आत्मा दी है" (1 तीमुथियुस ——————) यदि आप इसे अपनी गतिविधि बनायेंगे और बच्चों के साथ कार्य करेंगे और विशेष पदों के साथ आयेंगे, ये उनके लिये अधिक अर्थपूर्ण होगा उसकी अपेक्षा कि आप पदों को केवल दुहरा दें। बच्चों को उन्हें कागज़ पर लिखने दें, उन्हें सजायें और लटकायें जहाँ से वे उन्हें घर पर या स्कूल में देख सकें। आप इसे बच्चों के पदों को याद करने के लिये अवसर बना सकते हैं।

उनके लिये बाइबल के गीत बजायें या वे गीत जो धर्मशास्त्र आधारित हैं या साधारण गीत जैसे "यीशु मुझसे करता प्यार" जो परमेश्वर के प्रेम के विषय में प्रचार करता है। यदि बच्चे रात में डरते हैं तो उनके कमरों में गीत हल्के से बजायें जब वे सो जाते हैं।

आप और आपका स्टाफ उस आत्मा के विरुद्ध प्रार्थना कर सकते हैं जो भय लाती है। प्रार्थना करें कि बच्चे परमेश्वर के प्रेम के प्रगट होने को प्राप्त करेंगे और वह बचाव जो वह उन्हें दे रहा है।

सत्र 1 : यीशु के साथ मित्रता का चुनाव

नियमित पाठ्यक्रम पर केन्द्रित ध्यान : चुनाव के परिणाम हैं।

पाठ्यक्रम की *ऊँची उड़ान* पर केन्द्रित ध्यान : यीशु के साथ मित्रता का चुनाव।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों के ये समझने में सहायता करें कि यीशु उन्हें उसके साथ उच्च सम्बन्धों के लिये आमंत्रित कर रहे हैं – एक विशेष मित्रता।
- बच्चों को दिखाना कि वे ये कहने का चुनाव कर सकते हैं, उसके निमंत्रण को "हाँ" कहने के लिये।
- उसके निमंत्रण को "हाँ" कहने में अगुवाई करने में।

शब्दरहित पुस्तक : पृष्ठ 25

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "हे मेरी प्रिय, हे मेरी सुन्दरी, उठकर चली आ" (श्रेष्ठगीत 2:10)।

आपूर्ति और सामग्री सूचि : आपकी संस्कृति से विभिन्न प्रकार के निमंत्रण जैसे बच्चे का समर्पण, जन्मदिन, या शादी, यदि आपके पास छपे निमंत्रण नहीं हैं, तो बयान तैयार करो कि आप घटना पर किसी को कैसे निमंत्रित करोगे। निर्माण कागज, गोंद, मार्कर, और कोई स्वाभाविक आपूर्ति जो आपके पास उपलब्ध है जैसे पत्तियाँ, फूल, छोटी टेहनियाँ आदि।

नए शिक्षकों के सत्र के लिये : उपरोक्त चीज़ें और जरनल।

कक्षा के पहले : सत्र के नोट पढ़ें और प्रश्न चुनें जो आप सोचते कि सबसे सही आपके झुंड के लिये होंगे। पवित्र आत्मा से मांगें कि आप अपने अध्याय को विधि बना दें।

दुहराना : बच्चों को याद दिलायें कि *बोर्न टू फ्लाई* एक प्रतीक कथा है जिसका मतलब एक जानवर या गैर मानव की कहानी है जो हमारे लिये विशेष पाठ है। *बोर्न टू फ्लाई* एक प्रतीक कथा है उसके विषय कि कैसे सुरक्षित रह सकते और स्वप्नों के पीछे चलने में सफल हो सकते हैं। अपने स्वयं की संस्कृति के साहित्य की प्रतीक–कथाएं उदाहरण के लिये बतायें।

सत्र 1 आरम्भ करें : बच्चों को ब्लोसम की मित्रता सिल्वर ब्रीज (चाँदी हवा) के साथ याद दिलायें। मित्रता के बारे में बच्चों से बातें करें।

- क्या भिन्न प्रकार के मित्र होते हैं?
- ब्लोसम की मित्रता सिल्वर ब्रीज के साथ पर चर्चा करें उसके भाई और पोपी के साथ।
- कहानी में हर चरित्र पर उसकी मित्रता कैसे भिन्न थी?
- क्या ब्लोसम ने सिल्वर ब्रीज के साथ मित्रता करना चुना? (हाँ! वह मित्र ना बनना चुन सकती थी)।
- परिणाम क्या थे या उस चुनाव के परिणाम? (उसने उसे बुद्धिमानी के चुनाव करने में सहायता की।

अपनी संस्कृति में निमंत्रणों के विषय बातें करो – उदाहरण के लिये, निमंत्रण कैसा दिखता है (या सुनाई देता है, यदि ये मौखिक है) जन्मदिन की पार्टी के लिये, शादी, स्नातक बच्चे के समर्पण आदि के लिये। जो नमूने आपके पास हों उन्हें दिखायें या बच्चों के साथ चर्चा करें कि आप लोगों को विशेष अवसर पर कैसे निमंत्रण देते हो। बयान करें कि जब आप एक निमंत्रण पाते हो, आपको जवाब देना है कि आपने स्वीकार किया या नहीं। अपनी संस्कृति में विभिन्न तरीके से करने पर चर्चा करें।

बतायें कि बाइबल में 66 पुस्तकें हैं और उनमें से एक श्रेष्ठगीत है। ये बाइबल की सबसे छोटी पुस्तकों में से एक हैं पर इसमें सबसे महत्वपूर्ण सन्देश हैं – हमारे लिये विशेष निमंत्रण। श्रेष्ठगीत हमारे लिये यीशु का निमंत्रण है कि उसके साथ अद्‌भुत और विशेष मित्रता हो।

इस सत्र के लिये मुख्य आयत/पद पढ़ें श्रेष्ठगीत 2:10 "यीशु कह रहा है "उठ" उठ का मतलब है "उठकर ऊँची उड़ान भर"। ये निमंत्रण यीशु की ओर से है कि उसके साथ विशेष मित्रता हो। हमारे पास चुनाव है कि हम किस प्रकार प्रतिउत्तर देते हैं।

प्रार्थना समय : धीमी आराधना का संगीत बजाओ और बच्चों को शान्त करो। उन्हें समझाओ कि वे परमेश्वर से सुनने का अभ्यास करने वाले हैं। वह हम से बात करने को हमेशा राजी है; हमें केवल साधारण तरीके से सीखना है कि कैसे सुनें और देखें। इसमें अभ्यास की आवश्यकता होती है। कभी कभी वह हमसे वचनों से बातें करता है और दूसरे समय तस्वीरों में। बच्चों को याद दिलायें कि श्रेष्ठगीत यीशु की इच्छा के विषय है कि अद्‌भुत और विशेष मित्रता उसके साथ करें। पढ़ें श्रेष्ठगीत 2:10 फिर से और कहें, कि ये यीशु का निमंत्रण उनके लिये हैं। बच्चों को यीशु के निमंत्रण को सुनने के लिये प्रोत्साहित करें और उत्तर "हाँ" में दें। उससे कहें कि वह उन्हें बतायें कि वह क्यों सोचता कि वे इतने विशेष हैं। इस समय जल्दबाजी ना करें, रुकें और उन्हें उससे बातें करने दें। बाद में मौका दें कि वे बतायें कि उन्होंने उसे क्या कहते सुना।

गतिविधि समय : बच्चों को फिर से निमंत्रण का नमूना दिखायें। तब वह सामग्री जो आपने उपलब्ध कराई – इस्तेमाल करें उनके अपने निमंत्रण बनाओ उस आधार पर कि यीशु ने क्या कहा या उन्हें प्रार्थना के समय दिखाया। जितना सम्भव हो क्रियात्मक निर्देश दो जिससे आप बच्चों को बिल्कुल स्वतंत्र छोड़ें जैसा वे अपने निमंत्रण बनाने में चाहते हैं।

तस्करी के सम्बन्ध : बच्चों को याद दिलायें कि यीशु के साथ विशेष मित्रता उन्हें सही चुनाव करने में सहायता करेगी और वे अपने स्वप्नों के पीछे चलने में सफल और सुरक्षित होंगे। एक मित्र जो उस तरह से प्रेम करता जैसा यीशु छोटे व्यक्तियों को सुरक्षित, स्वास्थ और स्वतंत्र रखता है।

नए शिक्षकों के लिये सत्र 1 का अतिरिक्त
"उठ, मेरी सुन्दरी, मेरे साथ आ"
इस अतिरिक्त सामग्री के लिये अलग से 30 मिनट और दें।

- आज के लिये हमारा ध्यान केवल छोटे बच्चों पर केन्द्रित नहीं है पर सब के लिये है। श्रेष्ठगीत यीशु की इच्छा के विषय है कि नये शिक्षकों के साथ भी अद्‌भुत विशेष सम्बन्ध हो, इस सत्र के लिये हमारे मुख्य पद को पढ़ें और नये शिक्षकों के साथ चर्चा करें कि क्यों यीशु उन्हें "मेरे सुन्दर लोग" कहता है, आप क्यों सुन्दर हैं?
- क्या आप सुन्दर महसूस करते हैं? क्यों और क्यों नहीं?
- किस प्रकार की सुन्दरता की वह बात कर रहा है?
- क्या आंतरिक सुन्दरता व बाहरी सुन्दरता में कुछ अन्तर हैं?
- आप क्या सोचते हैं कि यीशु के लिये क्या महत्वपूर्ण है?

- ये जानकर आपको कैसा महसूस होता है कि यीशु आपको "सुन्दर" कहता है?

समझायें कि भविष्य के सत्रों में हम ये सीखेंगे कि यीशु हमें क्यों "सुन्दर" कहता है – भले ही जब हम महसूस नहीं करते।

प्रार्थना समय : हल्का, धीमा संगीत बजायें और नये शिक्षकों को प्रभु में विश्राम करने के लिये सुखदायक स्थान ढूंढ़ने दीजिये। उन्हें स्मरण दिलायें कि श्रेष्ठगीत यीशु की इच्छाओं के विषय है कि उसके साथ अद्भुत और विशेष सम्बन्ध उनके साथ हों। उन्हें निर्देश दीजिये कि वे अपनी आँखें बन्द करके उनके लिये यीशु के निमंत्रण को सुनें। उन्हें बतायें कि वह वचनों या तस्वीरों द्वारा बात कर सकता है।

कुछ क्षणों बाद पढ़िये श्रेष्ठगीत 2:10 और नये शिक्षकों से कहें कि वे खामोशी से यीशु के निमंत्रण पर प्रतिउत्तर दें। उन्हें स्मरण दिलायें कि जब हमें कोई निमंत्रण देता है हम उसका प्रतिउत्तर देते हैं। ठहरें और उन्हें उसके साथ बातें करने दें। उससे कहें कि वह उन्हें बतायें कि वह क्यों सोचता कि वे इतने सुन्दर हैं। उसके बाद उन्हें एक मौका दें कि वे बतायें कि उन्होंने उसे क्या कहते सुना।

गतिविधि : नये शिक्षकों को बाहर घुमाने ले जायें कि वे परमेश्वर की सृष्टि की सुन्दरता देखें। उदाहरण बतायें और उनसे भी यही करने को कहें। उन्हें पत्तियां, फूल, टेहनियां और दूसरी प्राकृतिक चीज़ें इक्ट्ठा करने दें। अपनी कक्षा में वापस आयें और नये शिक्षकों को निमंत्रण बनाने दें और यीशु के निमंत्रण को प्रगट करने दें। उनसे इसे अपने जरनल में रखने को कहें एक स्मरण दिलाने वाले की तरह कि यीशु उन्हें "उठने" के लिये बुला रहा और जो उन्होंने प्रतिउत्तर दिया है।

नये शिक्षकों से अपने जरनल में लिखने को कहें (या तो अभी या अगले सत्र के पहले) :

- प्रार्थना के समय यीशु ने आपको क्या बताया – उसके निमंत्रण के विषय।
- आपने उसके निमंत्रण पर कैसी प्रतिक्रिया की। इसे आप यीशु के लिये एक पत्र में लिख सकते हैं।
- आप दो चीज़ें लिखें जो आप छोटे बच्चों को बताना चाहते हैं उसके विषय कि यीशु का मित्र होने का क्या अर्थ है और ये कैसे उनके जीवन में सहायता करेगा।

सत्र 2 : यीशु सबसे सच्चा मित्र है

नियमित पाठ्यक्रम पर केन्द्रित ध्यान : जानो कि आपके सच्चे मित्र कौन हैं।

पाठ्यक्रम की *ऊँची उड़ान* पर केन्द्रित ध्यान : यीशु सबसे सच्चा मित्र है।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों के समझने में सहायता करना कि परमेश्वर का मित्र होना क्या है।
- उन्हें दिखाना कि परमेश्वर के मित्र कैसे बनना है।
- ये सिखाना कि यीशु सबसे सच्चा मित्र है।
- उन्हें ये दिखाना कि यीशु के साथ की मित्रता उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और उन्हें अपने स्वप्नों के पीछे चलने में स्वतंत्र रखती हैं।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "यह मेरा अतिप्रिय है, ये मेरा मित्र है" (श्रेष्ठगीत 5:16)।

शब्दरहित पुस्तक पृष्ठ 26–34

आपूर्ति और सामग्री सूचि : मित्रता के फ्रेम की सामग्री।

नए शिक्षकों के सत्र के लिये : जरनल।

कक्षा से पहले : सत्र के नोट पढ़ें और प्रश्न चुनें जो आप सोचते कि आपके विशेष ग्रुप के लिये उपयोगी होंगे। पवित्रात्मा से कहें कि वह आपको आपकी कक्षा के लिये अध्यायों को स्मरण करने का मार्ग दिखायें।

सत्र 1 का दुहराना : कुछ क्षण पिछले सत्र के दुहराने में बितायें जहाँ हमने सीखा कि यीशु उन्हें उच्च सम्बन्ध उसके साथ रखने के लिये निमंत्रण दे रहा है – एक विशेष मित्रता। वे उसके निमंत्रण को "हाँ" कहना चुन सकते हैं।

सत्र 2 आरम्भ करें : इस सत्र में हम सीखते हैं कि यीशु का मित्र होने का क्या मतलब है और वह कैसे हमें हमारे स्वप्नों को आगे बढ़ाने में सहायता करेगा। बच्चों के साथ चर्चा करो:

- कुछ भिन्न प्रकार की मित्रता क्या है?
- क्या हर कोई आपका उत्तम मित्र है?
- जब कोई आपका उत्तम मित्र है या कोई जानकार तो आप कैसे जानते हो?
- क्या कभी–कभी मित्र लोग आपको निराश करते हैं, यहाँ तक कि आपका उत्तम मित्र भी?

बच्चों को याद दिलायें कि ब्लोसम सच्चे मित्रों के विषय में क्या सीख रही है, उनके बारे में जो उसके मित्र की तरह कार्य करते पर नहीं थे, और स्वप्न चोरों के विषय।

- कौन ब्लोसम के सच्चे मित्र थे? (झींगुर और छुछमछली)
- कौन उसके मित्रों की तरह कार्य करता पर वास्तव में थे नहीं? (स्वप्न चोर)

पढ़िये श्रेष्ठगीत 5:16 और समझायें कि ये पद यीशु के विषय में बात कर रहा है। केवल वही एक मित्र है जो हमें कभी निराश नहीं करेगा। वह हमेशा हमसे प्रेम करेगा। हम उस पर भरोसा रख सकते हैं इसलिये कि वह सच्चा मित्र है।

बच्चों के लिये इन पदों को पढ़िये : (या बच्चों से जोर से पढ़ने को कहें)

"अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और ये उसके लिये धार्मिकता गिना गया, और वह परमेश्वर का मित्र कहलाया" (याकूब 2:23)।

"इससे बड़ा प्रेम किसी का नहीं कि कोई अपने मित्रों के लिये अपना प्राण दे, जो कुछ मैं तुम्हें आज्ञा देता हूँ यदि उसे करो तो तुम मेरे मित्र हो, अब से मैं तुम्हें दास न कहूँगा, क्योंकि दास नहीं जानता कि उसका स्वामी क्या करता है, परन्तु मैंने तुम्हें मित्र कहा है, क्योंकि मैंने जो बातें अपने पिता से सुनीं, वे सब तुम्हें बता दीं" (यूहन्ना 15:13–15)।

- एक सेवक और मित्र में क्या फर्क है? यीशु ने आपको क्या कहा कि आप हैं? (उसका मित्र)
- आप यीशु के मित्र कैसे हो सकते हैं? (उससे प्रेम करने के द्वारा, उसके पीछे चलने से, उस पर विश्वास करने से, बाइबल पढ़ने से और उसके विषय जानने से, प्रार्थना में उससे बातें करने से)।

तस्करी से सम्बन्धित : बच्चों को ये बतायें कि यीशु के साथ करीबी मित्रता होने से यीशु उन्हें तस्करी में फंसने से बचा सकता है। यूहन्ना 15:13–15 में यीशु एक सेवक और एक मित्र के बीच का फर्क बताता है, जब आप तस्करी में फंस गये तो आप किसी के सेवक या दास हैं – भले ही वे कहें कि वे आपके मित्र हैं। आप सच्चे मित्र को जो वे करते उससे जान सकते हैं उससे नहीं जो वे कहते हैं।

प्रार्थना समय : पीछे पीछे हल्का संगीत बजायें। बच्चों को बतायें कि वे यीशु की आवाज धीमें से सुनने वाले हैं। बतायें कि यीशु हम पर चिल्लाता नहीं पर हमसे धीमी–शान्त आवाज़ में बातें करता है इसलिये हमें इसे बड़ी सावधानी से सुनना है उन्हें याद दिलायें कि कभी कभी वह वचनों से बोलता है और दूसरे समय तस्वीरों से। उन्हें निमंत्रण याद दिलाएं जो यीशु ने उन्हें पिछले सत्र में दिये जब उसने उनके साथ विशेष मित्रता करने के लिये पूछा। अब बच्चों को उससे पूछने दें कि वह मित्रता का विशेषरूप से क्या मतलब है वे कैसे उसके मित्र हो सकते हैं। उससे कहें कि वह उन्हें अपनी तस्वीर दिखायें – एक मित्र की तरह। बच्चों को समय दें कि वे परमेश्वर को सुन सकें और अपनी आत्मिक आंखों से देख सकें (इफिसियों 1:18)। उसके बाद बच्चों को बताने दें कि उन्होंने क्या सुना और क्या देखा। जो वे बताते हैं उसमें उन्हें प्रोत्साहित करें।

गतिविधि समय : बच्चों को दूसरा मित्रता का फ्रेम बनाने दें इस समय वे अपनी यीशु के साथ तस्वीर बनायें। यदि उसने प्रार्थना के दौरान कुछ विशेष बताया है तो वे उसे अपने मित्रता के फ्रेम पर लिखते हैं।

नये शिक्षकों के लिये सत्र में अतिरिक्त जोड़ना

"ये मेरा अतिप्रिय है : ये मेरा मित्र है"

इस अतिरिक्त सामग्री के लिये अतिरिक्त 30 मिनट का समय दें।

इस सत्र के लिये हमारी मुख्य आयत को पढ़ें और नये शिक्षकों के साथ चर्चा करें। बतायें कि बाइबल में परमेश्वर बहुधा आत्मिक सिद्धान्त को पहचानने के लिये प्राकृतिक उदाहरण का इस्तेमाल करते हैं। विवाह सब सम्बंधों में सबसे करीबी सम्बन्ध है।

- एक दम्पत्ति ब्याह करते हैं क्योंकि वे मित्रों से अधिक हैं।
- वे भावनात्मक सम्बन्ध के स्तर पर जुड़े हुए हैं वह किसी भी मानवीय सम्बन्धों से ऊँचा है।

- जब दो लोग प्रेम में हैं तो वे जीवन के बाकी दिन साथ साथ बिताना चाहते हैं।
- वे कुछ नहीं चाहते केवल ये कि मृत्यु की उन्हें अलग करें।
- वे चाहते हैं कि सुबह सबसे पहला व्यक्ति यहीं दिखें और अन्तिम भी, जब वे रात में देखें।
- उनका प्रेम इतना मज़बूत है कि लगता नहीं कि वे दूर जा सकते हैं।
- वे एक दूसरे के आलिंगन में विश्राम कर सकते ये जानते हुए कि उन्होंने एक दूसरे से प्रेम किये वा वे स्वीकृत हैं।

ये ही वो सम्बन्ध है जो प्रभु हम से चाहता है, पद जैसे यशायाह 54:5 को बताओ–प्रकाशितवाक्य 19:7–9, मत्ती 9:15 और मत्ती 25:1–13 जो ये दिखाता है कि यीशु हमारा दूल्हा है। ये विचारधारा जवानों के समझने में कठिन हो सकती है विशेष कर जवान लड़कों और पुरुषों के लिये, पर पवित्र आत्मा से सहायता करने को कहें। ये विश्वासियों को समझने के लिये मुख्य विचारधारा है। श्रेष्ठगीत का वर्णन करो कि ये पुस्तक यीशु के साथ विशेष सम्बन्धों के विषय है।

प्रार्थना समय : जब आप धीमा वाद्यय संगीत बजाते हैं तो नए शिक्षकों को प्रार्थना में रहने दें, यीशु से समझने में सहायता करने को कहें कि वह कैसे हमारा दूल्हा–राजा है। शान्ति से फिर ऊपर के पदों को पढ़ें। उन्हें स्मरण दिलायें यदि वे इस विचारधारा को नहीं समझते तो वे उससे इसे समझाने के लिये कह सकते हैं।

उन्हें अपने जरनल में लिखने दें कि जो वह उन्हें बताता है या जो वह दिखाता है उसे खींचें (चित्र बनायें)।

सत्र 3 : यीशु कहता है आप लाजवाब, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हैं

नियमित पाठ्यक्रम पर केन्द्रित ध्यान : आप लाजवाब, मूल्यवान और प्रेम के योग्य हैं।

पाठ्यक्रम की *ऊँची उड़ान* पर केन्द्रित ध्यान : यीशु कहता है आप लाजवाब, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हैं।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये सिखाना कि यीशु कहता है कि आप लाजवाब हो, मूल्यवान हो और प्रेम करने योग्य हैं।
- उन्हें ये दिखाना कि यदि वे यीशु से प्रेम करते हैं, भले ही जब वे गलती करते हैं उसका प्रेम उनके लिये बदल नहीं जाता।
- उन्हें ये दिखाना कि परमेश्वर के साथ मित्रता उस पर निर्भर नहीं करती कि जो उन्होंने किया या नहीं किया है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "मैं काली हूँ, पर सुन्दर हूँ" (श्रेष्ठगीत 1:5)।

शब्दरहित पुस्तक : पृष्ठ 27–53

आपूर्ति और सामग्री सूचि : कोई नहीं

नए शिक्षकों के सत्र के लिये : जरनल।

कक्षा के पहले : सत्र नोटों को पढ़ें और उन प्रश्नों का चुनाव करें जो आप सोचते हैं कि आपके विशेष ग्रुप के लिये सही होंगे। पवित्र आत्मा से कहें कि वह आपको आपकी कक्षा के लिये अध्यायों को रीति–रिवाज़ बना दें।

सत्र 2 का दुहराना : पिछले सत्र को दोहराने के लिए कुछ समय बिताएं–कि यीशु का मित्र बनने का मतलब क्या है।

सत्र 3 का दुहराना : बच्चों को स्मरण दिलायें कि तीसरा सबक जो ब्लोसम ने सीखा ये था, "आप लाजवाब हो, मूल्यवान हो और प्रेम करने योग्य हो"। पिछले सत्र में बच्चों ने महसूस किया होगा कि यीशु के साथ मित्रता का आधार वो है जो वे उसके लिये करते या कि वे कितने अच्छे हैं। पढ़ें इफिसियों 2:8–9, "क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है और ये तुम्हारी ओर से नहीं बरन परमेश्वर का दान है और न कर्मों के कारण ऐसा ना हो कि कोई घमण्ड करे"। बच्चों को समझायें कि यीशु के साथ मित्र होना ये परमेश्वर का दान है। ये इसलिये नहीं कि हम क्या करते हैं या हम कितने अच्छे हैं। क्या हम काफी कर सकते कि उसके प्रेम को कमा सकें? नहीं, इसीलिये ये मुफ्त दान है। ये हमारी सहायता करेगा कि अभी भी यीशु का प्रेम हम महसूस कर सकें, भले ही जब हम गलत कर जाते हैं।

बच्चों के लिये पढ़ने हेत् इनमें से कुछ आयतों को चुनें, ये बताते हुए कि ये क्या दिखाते हैं कि स्वयं परमेश्वर कहता है कि वे लाजवाब हैं, मूल्यवान हैं और प्रेम करने योग्य हैं : सपन्याह 3:17; भजन संहिता 139:14, 17–18; लूका 12:24; यशायाह 43:1; यशायाह 49:16; यूहन्ना 1:12 और यूहन्ना 15:15।

इस सत्र के लिये मुख्य धर्मशास्त्र का हिस्सा पढ़ो, "मैं काली हूँ पर सुन्दर हूँ"। शब्द "काले" के ऊपर बातें करें। निश्चित करें कि बच्चे इसे समझें, ये हमारी देह की चमड़ी के रंग का संदर्भ नहीं देता। इसका अर्थ है कि भले ही जब हम गलती करते हैं, हम जान सकते हैं कि यीशु अभी भी हमसे प्रेम

करता है। ये बयान नहीं करता कि एक व्यक्ति जो यीशु के प्रति विद्रोही है, इसके बदले ये वर्णन करता है कोई जो उससे प्रेम करता है पर गलती करता है, "आत्मा तो तैयार है पर शरीर दुर्बल है" (मत्ती 26:41)। शब्द *"सुन्दर"* पर चर्चा करो। "आनन्दमय, प्रसन्न करने वाला, सुन्दरता वाला जो हृदय से अनुरोध करता है या दिमाग या आँखों से अनुरोध करता है"।

- कुछ उदाहरणों को कहें जो सुन्दर हैं।
- मुख्य धर्मशास्त्र हिस्से को पुनः पढ़ें और बतायें कि यीशु सोचते हैं कि आप सुन्दर हैं, भले ही जब आप गलत करते हो। आपको वह पसन्द करता है और आप उसके प्रेम को अपने लिये कभी भी ना बढ़ा सकते ना घटा सकते।
- यही है जहाँ से आपका मूल्य आता है। इसीलिये उसका प्रेम आपके लिये वरदान है।
- पढ़ें यूहन्ना 1:12, "परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया उसने उन्हें परमेश्वर की सन्तान होने का अधिकार दिया अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं"। परमेश्वर की सन्तान होने का क्या अर्थ है?
- क्या इसका अर्थ है कि जो आप करना चाहो कर सकते हो? (नहीं, यीशु के मित्र होने का मतलब है कि आप वह करना चाहते हो जो सही है)।
- बिना शर्त के प्रेम का मतलब है कि कोई अभी भी आप से प्रेम कर रहा है, भले ही आप कुछ गलत करते हो। आप मूल्यवान इसलिये नहीं हो जो आप करते हो पर इसलिये कि आप कौन हो।
- कहानी में कैसे पोपी अपना बिना शर्त का प्रेम ब्लोसम को दिखाता है? (जब वह घर वापस आती है, वह उसके स्वागत में दौड़ जाता है। वह उसे बताता है कि उसने क्या गलत किया पर उसने उसे उससे प्रेम करने को नहीं रोका।)
- इससे ब्लोसम का क्या मतलब है? (वह पोपी को बताती है कि उसे दुःख है कि उसने उसकी आज्ञा नहीं मानी, वह जानती है कि पोपी अभी भी उससे प्रेम करता है। वह बेहतर करना चाहती है और अगली बार उसकी आज्ञा पालन करना चाहती है)।
- क्या कुछ और ऐसा है जो ब्लोसम कर सकती है जिससे पोपी उसे और अधिक प्रेम करे? उसे कम प्रेम करे? (नहीं) उसी प्रकार से आप कुछ नहीं कर सकते कि यीशु आगे को आपसे अधिक या कम प्रेम करें।

गतिविधि समय : बच्चों को छः की टीम में विभाजित करो कि उस दृश्य पर अभिनव करें जब ब्लोसम घर लौटती है। एक व्यक्ति को ब्लोसम बनने को चुनें, एक पोपी और दूसरे कैटरपिल्लर बने। पहले बच्चों को जो कहानी में हुआ उसका अभिनय करने दो – पोपी ब्लोसम के घर आने का इन्तजार करता है और उसे बिना शर्त के प्रेम से स्वागत करता है। तब बच्चों को पोपी की प्रतिक्रिया का अभिनय करने दो, उसका स्वागत ना करना, गुस्सा होना, आदि। चर्चा करें कौन सी प्रतिक्रिया बेहतर थी और कैसे विभिन्न प्रतिक्रियाएं ब्लोसम को महसूस कराती है।

तस्करी सम्बन्धित : जब हम जानते हैं कि यीशु सोचता कि हम लाजवाब, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हैं। हम मानव – तस्करों के किसी भी झूठ पर विश्वास नहीं करेंगे जो वे बोलते हैं।

प्रार्थना समय : बच्चों को आराम करने दें जब आप हल्का वाद्यय संगीत बजाते हैं। उनसे पूछें कि ये यीशु के विषय सोचें कि वे उनकी ओर देखकर आनन्द से मुस्कुराते हैं। उन्हें ये कहने में प्रोत्साहित करें, "मैं काली हूँ, पर सुन्दर हूँ"। उन्हें समय के लिये सोचने दें। जब उन्होंने गलत किया, उन्हें यीशु के वचन सुनने को कहें, वे अभी भी काले और सुन्दर हैं? बच्चों को याद दिलायें कि कभी कभी यीशु वचनों द्वारा बातें करते और दूसरे समय तस्वीरों से। बच्चों को कम से कम 5 मिनट प्रभु के साथ बिताने दें और फिर उन्होंने जो अनुभव किया वो बताने दें।

नये शिक्षकों के लिये सत्र 3 में अतिरिक्त जोड़ना

"मैं काली हूँ, पर सुन्दर हूँ

इस अतिरिक्त सामग्री के लिये 30 मिनट अतिरिक्त इस्तेमाल करने दो।

इस सत्र के लिये हमारी मुख्य आयत को पढ़ो और नये शिक्षकों के साथ चर्चा करो कि उनके लिये इसका क्या मतलब है। लूका 14 से उड़ाऊ पुत्र की कहानी पढ़ो। नये शिक्षको ऊपर दी गई यही गतिविधि कर सकते हैं, पर पोपी और ब्लोसम के बदले अपने ही उड़ाऊ पुत्र या पुत्री के अपने ही दृश्य लेख बनाओ। दो विभिन्न परिणामों के साथ

- ये विभिन्न प्रतिक्रियाएं आपको कैसा महसूस कराती हैं?
- बिना शर्त का प्रेम क्या है?
- किसी को बिना शर्त के प्रेम करने और आंखें मूंद कर पापमय व्यवहार की अनदेखी करने के बीच क्या फर्क है?
- जब आपने कुछ गलत किया है तो क्यों आपको पश्चाताप करना चाहिये? (परमेश्वर की दया/अनुग्रह पाने के लिये)
- पश्चाताप करने के बाद आप क्या करते हैं? (परमेश्वर की क्षमा और प्रेम पाते हो, हमारे पापों पर नहीं पर उस पर ध्यान केन्द्रित करते हैं)
- एक अपरिपक्व विश्वासी जो गलतियां करता है और कोई जानबूझ कर परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह करता है उनके बीच में क्या भिन्नता है? (परमेश्वर आत्मिक अपरिपक्वता के साथ विद्रोह में गड़बड़ी पैदा नहीं करता)

इस विचारधारा पर चर्चा करें, "काली और सुन्दर" हमारे अपने पापों की खोज के विरोधाभास को बतायें, फिर भी उसी समय हम यीशु के महान प्रेम की खोज करते हैं।

- यीशु के विषय? वह आपको कैसा महसूस कराते हैं?
- ये जानते हुए कि क्या ये आपको और नज़दीक या दूर बनाता है जब आप कुछ गलत करते हो?
- क्यों इस सत्य को समझना इतना महत्वपूर्ण है?
- ये हमें दूसरों को देखने में जो गलतियां करते हैं कैसे सहायता करता है?

उसी प्रार्थना समय के द्वारा जैसे बच्चों के लिये है नए शिक्षकों की अगुवाई करें। धीरे से पढ़ें 1 यूहन्ना 3:1; 4:19 और यूहन्ना 15:9, चंगाई के लिये विशेष आवश्यकता पड़े, जैसा नए शिक्षकों को वे उन पापमय चीज़ें जो उन्होंने की उनके जीवनों में उन्हें याद करते हैं। उन्हें पश्चाताप और क्षमा के द्वारा अगुवाई करने के लिये तैयार रहें, उन्हें प्रोत्साहित करें कि यीशु अभी भी उन्हें "सुन्दर" देखते हैं। उन्हें याद दिलायें कि उन्होंने कैसे उसके निमंत्रण को स्वीकार किया कि उसके साथ विशेष मित्रता हो। उन्हें याद दिलायें कि वह चाहता कि वे पवित्र जीवन जियें और ऐसा करने के लिये वह उन्हें अनुग्रह देगा।

उनसे उनके जरनल पर ये लिखने को कहें कि उन्होंने "काले और सुन्दर" होकर क्या अनुभव किया, उसका बिना शर्त का प्रेम कैसे महसूस कराता है?

सत्र 4 : जब आप कठिन समय से गुजरें, यीशु हमेशा आपके पास रहेंगे

नियमित पाठ्यक्रम पर केन्द्रित ध्यान : धीरज धरें, कड़ी मेहनत करें, और सही समय का इन्तजार करें।

पाठ्यक्रम की *ऊँची उड़ान* पर केन्द्रित ध्यान : "जब आप कठिन समय से गुजरें, यीशु हमेशा आपके साथ होगा"।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये समझने में सहायता करना कि जब वे कठिन समय से गुजरते हैं तो यीशु वहाँ हमेशा उनके साथ होंगे।
- उन्हें दिखाना कि वे उसकी सहायता मांग सकते हैं।
- उन्हें ये सिखाना कि जैसा वे उम्मीद करते उसकी अपेक्षा वह भिन्न रूप से उत्तर दे सकता है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "ये कौन है जो अपने प्रेमी पर टेक लगाये हुए जंगल से चली आती है" (श्रेष्ठगीत 8:5)।

शब्दरहित पुस्तक : पृष्ठ 54–68

आपूर्ति और सामग्री सूचि : कोई नहीं।

नए शिक्षकों के सत्र के लिये : जरनल।

कक्षा के पहले : सत्र के नोट्स पढ़ें और प्रश्नों को चुनें जो आप सोचते आपके विशेष झुण्ड के लिये सही होंगे। पवित्र आत्मा से कहें कि आपको दिखायें कि किस प्रकार आप अपनी कक्षा के लिये अध्यायों को प्रथा–स्वरूप बनाते हैं।

सत्र 3 का अवलोकन : पिछले सत्र को दुहराने में थोड़ा समय बितायें कि हम लाजवाब हैं, मूल्यवान और प्रेम करने योग्य हैं इसलिये कि यीशु ने कहा कि हम हैं, ये उस पर निर्भर नहीं करता कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया।

सत्र 4 आरम्भ करें : चौथी चीज़ जो ब्लोसम ने सीखी वह ये थी – धीरज धरो, कड़ी मेहनत करो और सही समय का इन्तजार करो। दुहरायें कि इन शब्दों का क्या मतलब है।

इसे दुहरायें कि ब्लोसम को कितना कठिन था कि उस "इल्ले" में रहें।

- यह क्यों उसके परिवर्तन का आवश्यक भाग था?
- जब वह वहाँ थी उसने किस पर भरोसा किया? (सिल्वर ब्रीज)
- बतायें कि सिल्वर – ब्रीज यीशु के लिये चिन्ह है।

हमारी मुख्य आयत पर चर्चा करें – श्रेष्ठगीत 8:5

- जंगल क्या है? (सूखी जगह, एकान्त जगह, बिना बहुत मित्रों के। क्या ऐसा हो सकता है कि जब हम कठिन समय से गुजर रहे हैं)
- *"झुकने"* का क्या मतलब है (निर्भर होना, भरोसा करना)
- जब आप कठिन समय से गुजरते हो तो आप यीशु पर कैसे "निर्भर" हो सकते हो? क्या वह आपको ऐसा करने देना चाहता है? (हाँ)

बच्चों से बताने को कहें अभी जिन कठिन चीज़ों से वे होकर गुज़र रहे हैं या वे जब अपने स्वप्नों को आगे बढ़ाते हैं या दूसरे क्षेत्र में। क्या यीशु उनकी सहायता करना चाहता है? वे उससे सहायता के लिये कैसे कह सकते हैं?

गतिविधि समय : विद्यार्थियों को 5 के झुण्ड में बांटो और उनसे कुछ कठिन को करें, जिससे अभी इस क्षण वे गुजर रहे हैं। ये वे शब्दों के साथ या बिना कर सकते हैं। यदि समय है वे अपनी स्वयं का संगीत चुन सकते हैं।

- उन तरीकों पर चर्चा करो जिन पर कठिन समय के दौरान आप यीशु पर निर्भर हो सकते हो।
- यीशु कैसे आपका सहायता कर सकेगा?
- क्या वह हमेशा सहायता जैसा आप चाहते करता है? क्यों नहीं?
- यदि वह आपकी सहायता विभिन्न तरह से करना चुनता है तो क्या इसका मतलब है कि वह आप से कम प्रेम करता है?
- यदि आपकी उम्मीद किये समय की अपेक्षा वह उत्तर देने के लिये भिन्न समय चुनता है क्या इसका मतलब है वह आपसे कुछ कम प्रेम करता है?

तस्करी करने से सम्बन्धित : बच्चों को याद दिलायें कि लोगों को जिन्हें उसने अपने स्क्रोल में जोड़ा हैं वे उसकी योजना के महत्वपूर्ण भाग हैं सुरक्षित रहने के लिये और उनके स्वप्नों को साकार करने के लिये। यीशु पर निर्भर होना उन्हें सुरक्षित रहने और स्वप्नों को साकार करने में सहायता करेगा।

प्रार्थना समय : जैसे आप आराधना के वाद्यय संगीत को बजाते हैं, तो बच्चों से सोचने को कहें जिन कठिन चीज़ों से होकर वे गुजर रहे हैं या वे जिन्हें गतिविधि में चित्रित किया गया है या दूसरे कठिन विषय। तब उन्हें यीशु से पूछने दीजिये कि उन्हें तस्वीर दिखाये कि वह किस प्रकार इनकी सहायता कर रहा है। उन्हें स्मरण दिलायें कि वह वचनों के साथ तस्वीरों से भी बातें करता है। बाद में विद्यार्थियों को जो उसने दिखाया –बताने दें। यदि समय होगा तो वे उसकी तस्वीर बना सकते हैं।

नए शिक्षकों के लिये सत्र 4 में कुछ जोड़ा गया

"ये कौन है जो जंगल से अपने प्रेमी पर टेक लगाकर आ रहा है"

इस अतिरिक्त सामग्री के लिये अतिरिक्त 30 मिनट लेने दीजिये।

नये शिक्षक इसी गतिविधि को कर सकते हैं जैसे छोटे बच्चे और वही प्रार्थना समय लें गतिविधि के बाद, उन्हें कठिन समय की चर्चा में अगुवाई करें जिनसे वे गुज़र रहे हैं और जो यीशु ने उन्हें प्रार्थना के समय दिखाया।

- आप अभी कौन से जंगल के समय से गुजर रहे हैं? आप यीशु को आपकी सहायता करते कैसे देखते हो?
- उदाहरणों को बांटें।
- क्या आप यीशु को अपना प्रिय देखना आरम्भ कर रहे हो? एक दूल्हे की तरह?
- याद करें धीरज का मतलब कड़ी मेहनत करते रहना, भले ही आप निराशा महसूस करें, यीशु आपको धीरज धरने को कैसे सहायता कर सकता है?
- जो कठिन समय आपने गुजारा उसे बतायें जब यीशु वहाँ उपस्थित था आप जानते थे। इस समय के दौरान कैसे आपमें बदलाव आया/बदलाव किया?

उसने अपने जरनल में लिखने को कहें जो यीशु ने प्रार्थना समय में उनसे बातें कीं। कैसे उस पर झुकना आपको महसूस होता है? जो उन्होंने लिखा उसे पढ़ने और बताने की उन्हें अनुमति दो।

सत्र 5 : यीशु आपको अपने "गुप्त स्थान" पर आमंत्रित करता है जहाँ वह आपको बचाता है

नियमित पाठ्यक्रम पर केन्द्रित ध्यान : "आप ऊंची ऊड़ान भरने के लिये पैदा हुए हो, इससे कम में न स्थिर हों।

पाठ्यक्रम की *ऊँची उड़ान* पर केन्द्रित ध्यान : यीशु आपको अपने "गुप्त स्थान" पर आमंत्रित करता है। जहाँ वह आपको बचाता है।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये सिखाना कि यीशु उन्हें एक गुप्त स्थान पर आमंत्रित कर रहा है। जहाँ वह उन्हें बचाता और उनसे प्रेम करता है।
- उन्हें गुप्त स्थान दिखाना जिसका वर्णन सम्पूर्ण बाइबल में किया गया है, ये हमारा वहाँ रहना सौभाग्य की बात है।
- उन्हें ये याद दिलाना कि गुप्त स्थान हमेशा आसान नहीं है, पर ये वो है जहाँ वह हमसे महत्वपूर्ण सबक बाँटता है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "पहाड़ की दरारों में और टीलों के कुंज में तेरा मुख मुझे देखने दें, तेरा बोल मुझे सुनने दे, क्योंकि तेरा बोला मीठा, और तेरा मुख अति सुन्दर है" (श्रेष्ठगीत 2:14)।

शब्दरहित पुस्तक : पृष्ठ 69–78

आपूर्ति और सामग्री सूचि : कम्बल या तौलिये।

नए शिक्षकों के सत्र के लिये : कपड़ा, कागज़ या प्लास्टिक का टुकड़ा; जरनल।

कक्षा के पहले : सत्र के नोट्स पढ़ें और प्रश्नों को चुनें जो आप सोचते हो कि आपके विशेष ग्रुप के लिये सबसे अधिक उपयुक्त हो। पवित्र आत्मा से कहो कि आपको दिखाये कि आपकी कक्षा के अध्यायों को अनुकूलित करें।

सत्र 4 का दुहराना : पिछले सत्र के दुहराने में कुछ समय बितायें कि जब हम कठिन समय से गुजरते हैं, यीशु हमेशा हमारे साथ रहेंगे।

सत्र 5 आरम्भ करें : पाँचवी चीज़ जो ब्लोसम ने सीखी वह ये थी, "आप उड़ने के लिये पैदा हुए हो, कम में स्थिर ना होना" दुहराओ कि ये कहने का क्या मतलब है "बोर्न टू फ्लाई"। बच्चों से पूछो कि ब्लोसम का उसकी यात्रा का सबसे कठिन समय सपनों के पीछे चलना में कौन सा था। उन्हें उन दिनों की याद दिलाओ। यहाँ तक कि सप्ताहों की जो उसने कफून (इल्ली) के अन्दर बिताई। केटरपिल्लर सप्ताह, महीनों कफून के अन्दर बिता सकते हैं।

- आप क्या सोचते वह किसके समान है?
- ब्लोसम ने ककून के बारे में क्या सीखा? (ऐसा लगा कि सबसे खराब जगह है, पर ये वो था जहाँ उसने महत्वपूर्ण पाठ सिल्वर ब्रीज से सीखा)।

कभी कभी हम ऐसी जगहों में हैं जो ऐसा भयंकर लगता जैसा ककून ब्लोसम के लिये था। पर यदि हम यीशु पर भरोसा करें, वह हमें महत्वपूर्ण पाठ सिखायेगा, यीशु उसे "गुप्त स्थान" कहते हैं।

- श्रेष्ठगीत 2:14 पढ़िये। यीशु वास्तव में आपको इन गुप्त स्थानों में आपको निमंत्रित करता है कि उसके साथ समय बितायें।
- पढ़िये भजन 91:1–2, "जो परमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पायेगा, मैं यहोवा के विषय में कहूँगा कि वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है, वह मेरा परमेश्वर है उस पर भरोसा रखूंगा"।
- पढ़िये यशायाह 45:3, "मैं तुझ को अन्धकार में छिपा हुआ और गुप्त स्थानों में गड़ा हुआ धन दूंगा जिससे तू जाने कि मैं इस्राएल का परमेश्वर यहोवा हूँ जो तुझे नाम लेकर बुलाता है"। गुप्त स्थान रहस्यों का स्थान है। यीशु अपने रहस्यों को आप पर प्रगट करेगा। ये उसकी बुद्धि है जो आपको जीवन में सहायता करेगी।

बतायें कि पुराने नियम में, तम्बू में पवित्रों का पवित्र स्थान सबसे अधिक पवित्र स्थान था। केवल महायाजक ही वहाँ जा सकता था और केवल वर्ष में एक बार। पर आज, यीशु के कारण हमें सौभाग्य है कि हम पवित्रों के पवित्र स्थान में हो सकते हैं – सबसे उच्च के गुप्त स्थान – जब कभी हम चाहते हैं। वास्तव में यीशु हमें वहाँ रहने के लिये आमंत्रित करता है (भजन 91)।

गतिविधि समय : हर बच्चे को कम्बल या तौलिया अपने को लपेटने के लिये दें, उनमें ककून के अन्दर ब्लोसम की भूमिका अदा करें – जैसे आप कहानी की पंक्तियों को दोहराते हैं। या बच्चों को दो की टीम में विभाजित करो। टीम में से एक ब्लोसम का अभिनय करता है जो ककून के अन्दर है जबकि दूसरा व्यक्ति ये वर्णन करता है कि क्या हो रहा है। बच्चों को याद दिला कि ब्लोसम का ककून आसान जगह होने का नहीं था। कभी कभी गुप्त स्थान आसान नहीं है, पर यदि हम यीशु को सहायता के लिये कहें, वह हमारी सहायता करेगा और हम जान सकते हैं कि वह हमें क्या सिखाना चाहता है।

भजन 91:1–2 को दुहराओ – इसमें बनाओ कि बाकी का भजन परमेश्वर के बहुत से हमें बचाने के तरीके की सूचि रखता है जब हम गुप्त स्थान में बास करते हैं बच्चों को भजन 91 पढ़ने दें और लिखें या कुछ तरीकों को खींचें जिनसे परमेश्वर उन्हें बचाता है जब वे गुप्त स्थान में हैं।

तस्करी से सम्बन्धित : यीशु के साथ गुप्त स्थान में समय बिताना हमें सुरक्षित रखता और जैसे हम अपने स्वप्नों की ओर बढ़ते तब हमें बचाता है।

प्रार्थना समय : बच्चों को खामोशी में प्रभु की बाट जोहने दो जब आप धीमा मधुर संगीत बजाते हो उन्हें बतायें कि यीशु उन्हें प्रवेश करने और गुप्त स्थान में रहने के लिये आमंत्रित करता है। जब बच्चे उसके निमंत्रण का उत्तर देते और प्रभु के साथ समय बिताते हैं आप संगीत बजाते रहें – उसके बाद उनसे कहें कि बतायें क्या हुआ।

नये शिक्षकों के लिये सत्र 5 में जोड़ा गया

"पर्वतों के गुप्त स्थान में"

इस अतिरिक्त सामग्री के लिये अतिरिक्त 30 मिनट दो।

हमारी मुख्य आयत को इस सत्र के लिये पढ़ें और नये शिक्षकों के साथ इस पर चर्चा करें। एक कपड़े का टुकड़ा लें, स्कार्फ या एक प्लास्टिक का बड़ा टुकड़ा और इसे मरोड़ें, धीरे धीरे उसे खोलें जो नये शिक्षक देखें, बिना शब्द इस्तेमाल किये, इन्हें पुनः खोलने दें, पूछें जब ये कर रहे थे तब कैसा महसूस किया – ये ब्लोसम के ककून में से खुलने जैसी तुलना है।

छोटे बच्चों के जैसे प्रार्थना समय लें, जब नए शिक्षक प्रभु के साथ समय बिताते हैं तब धर्मशास्त्र की मुख्य आयत को पढ़ों, बाद में उनसे अनुभवों को बांटने को कहें और अपने जरनल में लिखें।

- हमारे मुख्य पद में यीशु कहते हैं, "मुझे आपका चेहरा देखने दे, मुझे आपका शब्द सुनने दें क्योंकि तेरा शब्द मीठा है और आपका चेहरा सुन्दर है, ये आपको कैसा महसूस कराता है?
- क्या आप यीशु को दूल्हे के रूप में सीख रहे हो? सत्र 1 के बाद कैसे आपकी समझ इस बदलाव के प्रति है?
- भजन 91 की कौन सी प्रतिज्ञा आपके लिये कुछ विशेष है? आप इन प्रतिज्ञाओं और 1 पद के बीच क्या सम्बन्ध देखते हो?
- गुप्त स्थान के प्रति आपकी क्या समझ है? ये आपके कठिन समय में कैसी सहायता करेगा?
- जब आप अपने स्वप्नों का अनुसरण करते तब ये कैसे सहायता करेगा?

सत्र 6 : जब आप अपने स्वप्नों के पीछे चलते हो तब यीशु आपको सुरक्षित और सफलता पाने में सहायता करते हैं

नियमित पाठ्यक्रम पर केन्द्रित ध्यान : अवलोकन और समर्पण।

पाठ्यक्रम की *ऊँची उड़ान* पर केन्द्रित ध्यान : जैसे आप अपने स्वप्नों के पीछे चलते हो यीशु आपको सुरक्षित रहने और सफल होने में सहायता करता है।

सत्र के उद्देश्य :

- बच्चों को ये समझने में सहायता करना कि परमेश्वर ने उनके अन्दर एक बड़ा स्वप्न रखा है।
- उन्हें ये दिखाना कि जब वे उसके साथ गुप्त स्थान में समय बिताते हैं, वह उन्हें बुद्धि और निर्देश देगा कि उनके स्वप्न बढ़ें।
- ये सिखाना कि यीशु उनके साथ सहभागिता करना चाहता और उनके स्वप्न के पीछे चलने में सहायता करता है।

धर्मशास्त्र का मुख्य हिस्सा : "मुझे खींच ले, हम तेरे पीछे दौड़ेंगे, राजा मुझे अपने महल में ले आया है"। (श्रेष्ठगीत 1:4)।

आपूर्ति और सामग्री सूचि : आपके देश के किलों की तस्वीरें, (या स्थानों की जहाँ आपके राज्य के मुखिया रहते हैं) बनाने के कागज, कार्डबोर्ड, मार्कर।

नए शिक्षकों के सत्र के लिये : जरनल।

कक्षा के पहले : सत्र के नोट्स पढ़ें और प्रश्नों को चुनें जो आप सोचते हो जो आपके विशेष ग्रुप के लिये अधिक सही/उपयोगी होंगे। पवित्र आत्मा से कहें कि दिखायें वे तरीके जिनसे ये आपकी कक्षा के लिये प्रथा बन जाती है।

सत्र 5 का दुहराना : पिछले सत्र को दुहराने में कुछ क्षण बितायें कि यीशु उन्हें आमंत्रित कर रहा है भजन 91 के गुप्त स्थानों में जहाँ वह उन्हें बचाता और प्रेम करता है।

सत्र 6 आरम्भ करें : धर्मशास्त्र के मुख्य हिस्से को पढ़ें।

- यीशु के साथ "दौड़ने" का क्या मतलब है?

दो बच्चों को साथ दौड़कर दिखाने को कहें। पहले अलग अलग दौड़ने दें किसी भी दिशा में जहाँ वे चाहते। क्या ये "साथ दौड़ना है"? अब उन्हें उसी दिशा में वही दौड़ दौड़ने दें पर भिन्न दूरी से। उन्हें बतायें कि जब हम यीशु के साथ दौड़ते हैं हम उसी दिशा में जाते हैं उसी दूरी से जो वह ठहराता है। हम अपनी चीज़ नहीं करते पर हम उसके सहभागी होते हैं।

- राजा का "महल" क्या है? (किले में विशेष स्थान जहाँ केवल राजा का परिवार और सबसे विश्वासपात्र मित्रों को निमंत्रण दिया जाता है)।

यदि आपके देश में एक किला है, उसकी तस्वीर दिखाओ। यदि नहीं तो वह तस्वीर दिखाओ जहां आप के राज्य के मुखिया रहते हैं। ये बतायें कि किले में वह स्थान जो जनता के लिये है जहाँ कोई भी जा सकता है और व्यक्तिगत/गुप्त स्थान है जहाँ केवल परिवार और विश्वसनीय मित्र ही जा सकते हैं, उसका महल उसके सबसे अधिक विश्वसनीय मित्रों के लिये है। जब हम यीशु से मांगते हैं कि हमें उच्च मित्रता उसके साथ दें, तो वह हमें उस क्षेत्र में ले जायेगा। जो अपने सबसे विश्वसनीय मित्रों के लिये है। ये गुप्त स्थान का हिस्सा है जहाँ वह हमें हमारे स्वप्नों को बढ़ाने में सहायता करेगा। जैसे हम गुप्त स्थान में यीशु के साथ समय बिताते हैं। वह हमारे स्वप्नों के बारे में बुद्धि बांटेगा। वह हमें दिखाता है कि किस प्रकार स्वप्नों के पीछे चलने में सुरक्षित और सफल होंगे।

बच्चों के साथ ब्लोसम के स्वप्न पर चर्चा करें। ये बतायें कि परमेश्वर हममें से हर एक को स्वप्न देता है, हमारा स्वप्न हमारे लिये परमेश्वर के अभिप्राय का हिस्सा है। बच्चों को अपने स्वप्न बताने में उनकी अगुवाई करें। दूसरे बच्चों को सम्मानपूर्ण, सकारात्मक, होने में प्रोत्साहित करें। इन स्वप्नों के प्रति नकारात्मक रूप से ऐसा व्यवहार का नमूना ना दें जो बच्चे जिन्हें बताते हैं, उदाहरण के लिये, ये ना कहें, "यह असम्भव होगा क्योंकि . . . "या इसे आप कभी नहीं कर सकते हो इसलिये . . ."।

चर्चा करें कि किस प्रकार उनके स्वप्न उनके परिवारों की, शहर और देश की सहायता कर सकते हैं, कैसे ब्लोसम के स्वप्न ने उसके परिवार की सहायता की? और दूसरे कैटरपिल्लरों की?

बच्चों को याद दिलायें कि कैसे ब्लोसम को सही समय के लिये इससे पहले कि उड़े कितना इन्तजार करना पड़ा था। वर्णन करें कि परमेश्वर के पास हर स्वप्न को सच करने के लिये सिद्ध समय है। अपने स्वप्नों के लिये सही समय के इन्तजार करते समय किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा? चर्चा करें जब ऐसा हो तो आप क्या करते होः–

- ये कठिन होता है।
- मुझे मालूम नहीं कि ये स्वप्न परमेश्वर की ओर से है या किसी और कल्पना से है।
- बहुत से स्वप्न चोर हैं।
- मेरे पास कोई पैसा नहीं है . . . सम्बन्ध . . . और क्या?
- मैं असफल हो सकता हूँ।
- दूसरे?

बच्चों के साथ चर्चा करें जब वे सही समय का इन्तजार करते तो क्या कर सकते हैंः–

- अपने स्वप्न के विषय के बारे में अध्ययन करो।
- पता करें जिन्होंने वह किया जो आप करना चाहते हो, उनके विषय पढ़ें, यदि वे अभी भी जीवित हैं, लिखें या ईमेल करें।
- प्रार्थना करो, वे क्या हैं जो आप परमेश्वर से मांग सकते हो?

गतिविधि समय : पढ़िये हबक्कूक 2:1–3, "यहोवा ने मुझ से कहा दर्शन की बातें लिख दें, बरन पटियाओं पर साफ–साफ लिख दें कि दौड़ते हुए भी वे सहज से पढ़ी जायें, क्योंकि इस दर्शन की बात नियत समय में पूरी होने वाली है बरन इसके पूरे होने का समय वेग से आता है, चाहे इसमें विलम्ब भी हो तौभी उसकी बांट जोहते रहना क्योंकि वह निश्चय पूरी होगी और उसमें देर ना होगी"।

बच्चों को हमारी मुख्य आयत याद दिलाओ और राजा का महल। बनाने का पेपर इस्तेमाल करो और कार्डबोर्ड राजा की ढाल के लिये। बच्चों को बतायें कि ढाल के बीच का हिस्सा खाली छोड़ देना, प्रार्थना समय के बाद वे उसे भर देंगे।

तस्करी का सम्बन्ध : बच्चों को स्मरण दिलायें कि *बोर्न टू फ्लाई* विशेष अध्यायों के साथ एक पूरक कथा है उसके विषय कि स्वप्नों के पीछे चलते समय कैसे सफल और सुरक्षित रह सकते हैं। स्वप्नों के चोरों का कहानी में कोई अस्तित्व नहीं है। वे लोग जो मानव–तस्कर हैं वे वास्तविक जीवन के स्वप्नों के चोर हैं।

प्रार्थना समय : जब आप धीमें से वाद्यय संगीत बजाते हो अपनी धर्मशास्त्र की आयत पढ़ो। बच्चों को बतायें कि आप उन्हें परमेश्वर के लिये बड़े स्वप्न देखने के लिये अनुमति देते हो। बहुत से बच्चों (व्यस्कों) की अनुमति की इसे करने के लिये आवश्यकता है विशेषकर यदि वे पिछले समय में स्वप्न देखने से दूर रखे गये हों।

बच्चों को खामोशी में यीशु को बताने दें कि वे उसके निमंत्रण का उत्तर उसके साथ "दौड़ने" में देना चाहते हैं और उसके महल में प्रवेश करना चाहते हैं और स्वप्न के बारे में और अधिक सीखना चाहते

हैं जो उसके पास उनके लिये हैं, उसे कैसे आगे बढ़ायें और ये कैसे उनके परिवार, शहर और देश को सहायता कर सकता है। जल्दीबाजी न करें पर बच्चों को पूरा समय दें। आप उन्हें उत्साहित करना चाहते हैं कि जितना समय जरूरी हैं – बितायें। उन्हें स्मरण दिलायें कि वह वचनों और तस्वीरों दोनों के द्वारा बोलता है। बाद में बच्चों को उनकी ढालें पूरा करने दें, ये दिखाते हुए कि यीशु ने उन्हें क्या बताया। उन्हें शब्द और तस्वीरें दोनों इस्तेमाल करने के लिये प्रोत्साहित करो।

नये शिक्षकों के लिये सत्र 6 में अतिरिक्त जोड़ना

"मुझे खींच कि हम साथ साथ दौड़ें"

इस अतिरिक्त सामग्री के इस्तेमाल के लिये अतिरिक्त 30 मिनट का समय दें।

नये शिक्षकों से पूछें उन्हें उनके स्वप्नों को पूरा करने में क्या रुकावट डालते हैं। अवश्य है कि कोई कहेगा, "मुझे डर है मैं असफल हो जाऊँगा। असफलता और जोखिम के बारे में बात करें। बताएं कि बिना दोनों में से एक के आप स्वप्न पूरा नहीं कर सकते हैं। अपने स्वयं के जीवन के जो जोखिम आपने उठाये और असफलतायें जो मार्ग में आईं उनके विषय वर्णन करें। इसलिये कि आप असफल हुए जो कुछ आपने सीखा उस पर बल दीजिये – नहीं तो आपने नहीं सीखा होता।

नये शिक्षकों को जोखिमों को बताने दें जो उन्हें स्वप्न को आगे बढ़ाने में लेना है। उन बातों को बतायें जहाँ वे असफल हो सकते और वे तरीके जिनसे सफल हो सकते हैं। क्या जोखिम उठाना सही है? प्रयास ना करने में क्या जोखिम है? नए शिक्षकों को ये सब जो देखा हुआ है उनके जरनल में लिखने दें।

इन पाँच प्रश्नों पर चर्चा करें :–

1. आपका स्वप्न क्या है?
2. आप इसे सच होने में क्या आवश्यकता देखते हो?
3. आपका अपने स्वप्न को साकार करने में क्या भूमिका है?
4. परमेश्वर की भूमिका क्या है?
5. तैयार करने में आप क्या कर सकते हो?

पढ़िये यशायाह 61:1–3 और नए शिक्षकों को बतायें कि परमेश्वर का आत्मा उन पर है कि उन्हें उनके स्वप्नों और अभिप्रायों की पूर्ति करने में सहायता करें।

- इस हिस्से में पहचानें कि वे विभिन्न तरीके जो इसे करने में सहायता करते हैं।
- एक या दो तरीके लें जो आपके स्वप्न के पीछे चलने में आपकी सहायता करेंगे, बतायें कि किस प्रकार से।

प्रार्थना के समय में आप नये शिक्षकों को परमेश्वर के प्रति बड़े स्वप्न देखने की अनुमति दें और अपने स्वप्नों को आगे बढ़ाने हेतु। धर्मशास्त्र के उसी हिस्से को पढ़ें जो छोटे बच्चों के लिये है और तब ऊपर के पाँच प्रश्नों को पढ़ें और हर प्रश्न के बीच थोड़ा रूकें कि नए शिक्षकों को समय मिले कि परमेश्वर की सुनें। यशायाह 61:1–3 पढ़कर समाप्त करें जैसा आप हर पद को पढ़ते हैं अपने नए शिक्षकों के नाम लेकर पढ़ें (उदाहरण के लिये – "प्रभु का आत्मा हेली (नाम) पर है. . .")।

गतिविधि : नए शिक्षकों को अपने स्वप्न प्रगट करने के लिये उन्हें "शब्दों" (लोगों) को बनायें। ये इसे अपने जरनलों में कर सकते हैं, कम्प्यूटर पर या जो भी क्रियाशील माध्यम वे पसन्द करते हैं। वे अपने उत्तरों को पांचों प्रश्नों के साथ मिला सकते हैं या जो भी उनके स्वप्नों को उत्तमता से प्रगट करता है।

अतिरिक्त साधन

माईक बिकल के श्रेष्ठगीत पर के शिक्षण–साधनों से :
http://mikebickle.org/resources/category/intimacy/song-of-songs/

मूसा के तम्बू के माध्यम से प्रेम की ओर दृष्टि करना, द्वारा : टिफैनी ऐन लुइस
http://www.elijahlist.com/words/html/textonly-021412-Lewis.html